राष्ट्रिय खबर

गणतंत्र दिवस मनाया गया

देश भर में लोगों ने राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर, पूरे उत्साह और उमंग से तिरंगा फहराकर एवं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर भारत का 68 वां गणतंत्रता दिवस मनाया।

- इस मौके पर भारत के मुख्य अतिथि रहे सऊदी अरब के प्रिंस
- इस खास मौके पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने विकास को तेज गति देने की खातिर कई योजनाओं की घोषणा की और चरमपंथियों से हिंसा छोड़ने की अपील की।
- राज्यों की राजधानियों में शानदार परेडों और रंगारंग समारोहों का आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। माओवादियों एवं कुछ उग्रवादी संगठनों की ओर से स्वतंत्रता दिवस के बहिष्कार के आह्वान के मद्देनजर सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।
- विकास, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा और उग्रवाद से निपटने जैसे मुद्दों को उठाते हुए नेताओं ने अपने-अपने राज्यों की चुनौतियां सामने रखीं और उनसे मुकाबले के कदमों का ऐलान किया।
- उत्तर प्रदेश में तिरंगा फहराने के बाद विधानसभा परिसर में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि राज्य के विकास के बगैर देश की प्रगति संभव नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

भारत और यूएई के मध्य 14 समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के मध्य 25 जनवरी 2017 को 14 समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। इन समझौतों का उद्देश्य दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।

इन समझौतों पर प्रधामन्त्री नरेंद्र मोदी एवं आबू धाबी के क्राउन प्रिंस एवं डिप्टी सुप्रीम कमांडर शेख मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाह्यान ने हस्ताक्षर किये।

- क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाह्यान 26 जनवरी 2017 को भारतीय गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी हैं।
- व्यापक सामरिक भागीदारी पर समझौता
- रक्षा उद्योग के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन (एमओयू)

- योग्यता के प्रमाण पत्र की आपसी मान्यता पर समझौता ज्ञापन
- सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर समझौता ज्ञापन
- मानव तस्करी की रोकथाम एवं नियन्त्रण पर समझौता ज्ञापन
- कृषि एवं सहयोगी क्षेत्रों पर समझौता ज्ञापन
- कार्यक्रम आदान-प्रदान में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन
- तेल भंडारण और प्रबंधन पर समझौता
- ऊर्जा दक्षता सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन
- व्यापार उपचारात्मक उपायों पर आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने हेतु समझौता
- समुद्री परिवहन पर संस्थागत सहयोग पर समझौता ज्ञापन

हवलदार हंगपन दादा को मरणोपरांत अशोक चक्र

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रीय राइफल्स के हवलदार हंगपन दादा को मरणोपरांत अशोक चक्र से गुरुवार को सम्मानित किया। उन्होंने पिछले साल जम्मू कश्मीर में अकेले ही तीन आतंकवादियों को मार गिराते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

- शांति काल में अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देने को लेकर सर्वोच्च वीरता पुरस्कार शहीद दादा की पत्नी चासेन लोवांग ने स्वीकार किया।
- पुरस्कार प्राप्त करने के दौरान वह अपने आंसुओं को रोकने की मशक्कत कर रही थी।
- 26 मई को नौगाम सेक्टर में एक मुठभेड़ के दौरान अपने दल के भारी गोलीबारी से घिर जाने पर दादा ने पत्थरों और चट्टानों की आड़ लेकर अपने साथियों की जान बचाई थी।
- प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि उन्होंने काफी करीब से दो आतंकवादियों को मार गिराया। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए।
- इसके बावजूद भी उन्होंने बाकी बचे आतंकवादियों से लोहा लिया। इस प्रक्रिया में तीसरे आतंकवादी से उनका सामना हुआ जिसे उन्होंने निहत्थे मार गिराया, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।
- इसमें कहा गया है कि उनकी कार्रवाई के चलते चौथे आतंकवादी का भी खात्मा हो सका।

पुरस्कार

अंतरीक्ष विज्ञान

नासा का किशोर रोवर ओप्पोरचुनिटी ने मंगल गृह पर अपना 13वां जन्मदिन मनाया

किसने सोचा होगा कि नासा के मार्स रोवर दशक से अधिक समय बिताएगा लाल ग्रह पर और 24 जनवरी, 2017 को रोवर मंगल ग्रह पर अपना 13 साल बिताकर किशोरावस्था में प्रवेश कर जाएगा।

- लगातार ड्राइव, काम और वैज्ञानिक टिप्पणियों के इन 13 साल में नासा के मार्स एक्सप्लोरेशन रोवर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 7 जुलाई 2003 को अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण के साथ शुरू किया था।
- मंगल ग्रह पर 13 साल पूरा करने वाला पहला किशोर बन गया रोवर मिशन ने वैज्ञानिकों को मंगल गृह पर जीवन के रूप में आशावादी बनाये रखा और हमेशा नए नए खोज से सबको अचम्भे में डालता रहा।
- 24 जनवरी 2004 को, रोवर मंगल ग्रह 'मेरिडियानी' पर उतरा।
- सिर्फ तीन हफ्ते में अपनी जुड़वां (मेर-ए) के ग्रह के दूसरे छोर को छूने के बाद भी 90 दिनों तक मिशन को चलाया गया और आज ये मिशन 13 साल भी पर कर गया।

अंतरिक्ष विज्ञान

जीएसएलवी का क्रायोजेनिक अपर स्टेज में सफलतापूर्वक परीक्षण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भूस्थतिक उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (जीएसएलवी डी 5) का स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन के साथ सफल प्रक्षेपण किया और इसके साथ ही वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया।

- इसके प्रक्षेपण के साथ ही इसरो अमेरिका, रूस, जापान, चीन और फ्रांस के बाद दुनिया की छठी अंतरिक्ष एजेंसी बन गया जिसने स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन के साथ सफलता का स्वाद चखा है।
- सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के मिशन कंट्रोल रूम से इसरो प्रमुख के राधाकृष्णन ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं और मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि टीम इसरो ने इसे कर दिखाया है।
- भारतीय क्रायोजेनिक इंजन और स्टेज ने वैसा ही प्रदर्शन किया है जैसा इस मिशन के लिए अनुमान

जताया गया था और जैसी अपेक्षा थी और उसने जीसैट-14 संचार उपग्रह को कक्षा में ठीक तरीके से स्थापित कर दिया है।'

- राधाकृष्णन ने यह बात प्रक्षेपण वाहन के 1982 किलोग्राम के जीसैट 14 उपग्रह को निश्चित कक्षा में स्थापित करने के तुरंत बाद कही।
- अनेक असफल प्रयासों के बावजूद स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन के साथ जीएसएलवी का प्रक्षेपण करना साल 2001 के समय से इसरो के लिए बड़ी चुनौती बना रहा है। सात प्रयासों में से सिर्फ चार सफल रहे हैं।

दुनिया का पहला स्थिर अर्द्ध सिंथेटिक जीव बनाया

दवाओं की खोज और अन्य अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकने वाले एक सफलता में वैज्ञानिकों ने एक कोशिकीय जीवाणु - - जो कि पहली स्थिर अर्द्ध सिंथेटिक जीव है उसे बनाया है।

विज्ञान

- जीवन की आनुवंशिक कोड कभी केवल चार प्राकृतिक कोड में निहित किया गया है।
- इन स्ट्रेंड्स को दो आधार से जोड़ा जाता है - डीएनए सीढ़ी के पायदान की तरह होते हैं - और इन्ही डीएनए से ही बैक्टीरिया से लेकर हम मानव तक बने हुए हैं।
- पहले अनुसंधान जिसमें उन्होंने एक डीएनए पेअर बनाया था उसी के आधार पर अब डीएनए के चार कोड (ए, टी, सी और जी) को इस्तेमाल करते हुए एक जीव का निर्माण किया गया है।
- शोधकर्ताओं को अब पता चला है कि एक कोशिकीय जीव सिंथेटिक आधार पर बने जीव पर सकती है।

भारत की 8 सूत्री जलवायु परिवर्तन योजना में 3 और मिशन जोड़ने की सम्भावना

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना को औपचारिक रूप से 30 जून 2008 को लागू किया गया। यह उन साधनों की पहचान करता है जो विकास के लक्ष्य को प्रोत्साहित करते हैं, साथ ही, जलवायु परिवर्तन पर विमर्श के लाभों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करता है।

राष्ट्रीय खबर

- राष्ट्रीय कार्य योजना के कोर के रूप में आठ राष्ट्रीय मिशन हैं जो बहुत जल्द ही 11 सूत्रीय मिशन हो

जाएगा जब इसमें 3 और नए मिशन जोड़ दिए जाएंगे।

- वे जलवायु परिवर्तन, अनुकूलन तथा न्यूनीकरण, ऊर्जा दक्षता एवं प्रकृतिक संसाधन संरक्षण की समझ को बढावा देने पर केंद्रित हैं।
- आठ मिशन हैं:राष्ट्रीय सौर मिशन, विकसित ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय मिशन, सुस्थिर निवास पर राष्ट्रीय मिशन, राष्ट्रीय जल मिशन, सुस्थिर हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र हेतु राष्ट्रीय मिशन, हरित भारत हेतु राष्ट्रीय मिशन, सुस्थिर कृषि हेतु राष्ट्रीय मिशन, जलवायु परिवर्तन हेतु रणनीतिक ज्ञान पर राष्ट्रीय मिशन।

आज के दिन

26 जनुअरी 1957 के दिन जम्मू और कश्मीर का संविधान अस्तित्व में आया था | यह पूरी घटना का आरम्भ अक्टूबर 1947 से हुआ जब पाकिस्तान के कहने पर पश्तून ट्रायल्स ने कश्मीर पर हमला कर दिया | इससे परेशान होकर कश्मीर के महाराजा हरी सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को भारत के साथ इंस्ट्रूमेंट ऑफ़ अक्सेशन पर हस्ताक्षरित कर दिया | 27 अक्टूबर ने भारत ने इसे स्वीकार लिया एवं अपने सैन्यों को कश्मीर के बचाओ में भेज दिए | और इसीसे 1947 के भारत-पाक युद्ध शुरू हुआ | फिर अगस्त से सेप्टेम्बर 1951 में कश्मीर में चुनाव का आयोजन किया गया जिसमे जम्मू कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस ने जीत हासिल की और शेख अब्दुल्लाह मुख्या मंत्री बन गयें | 1954 में राज्य के विधान सभा ने भारत के साथ अभिवृद्धि के लिए अपनी सम्मति दे दी | 26 जनुअरी 1957 में जम्मू कश्मीर का संविधान अपनाया गया

आज के दिन